

## Paper First Foundation Course

हिन्दी भाषा a2zSubjects.com 2017 Annual

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 75

[Manimum Pass Marks : 26

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

### इकाई - 1

(अ) निम्नलिखित में से किसी एक विषय का पल्लवन कीजिए : 8

- नर और नारी एक गाड़ी के दो पहिये हैं।
- सबै दिन जात न एक समान।
- उच्छृंखलता पशु की प्रवृत्ति है।
- कला का अन्तिम एवं सर्वोच्च ध्येय सौंदर्य है।
- नर हो न निराश करो मन को।

(ब) नगर के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए जिसमें अपने मोहल्ले की सफाई के लिए अनुरोध हो। अथवा

निम्नलिखित अवतरण का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 7

In our daily life we see many objects-moving a man walking along the road, a boy running on the playground, a flying bird and many other things which continually change their positions. Thus we can say motion is characterised by change of position.

### इकाई - 2

(अ) निम्न लोकोक्तियों में से किन्हीं पाँच का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 5

- जाके पैर न फटे बिवाई वो क्या जाने पीर पराई
- खोदा पहाड़ निकली चुहिया
- अंधेर नगरी चौपट राजा
- ऊँची दुकान फीका पकवान
- ओछे के घर जाना, जनम-जनम का तान
- आए थे हरिभजन को ओटन लगे कपास
- काटो तो खून नहीं

a2zSubjects.com

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए : 5

- |           |            |             |           |
|-----------|------------|-------------|-----------|
| (i) अग्नि | (ii) कपड़ा | (iii) पुष्प | (iv) राजा |
| (v) वायु  | (vi) जंगल  | (vii) कृष्ण |           |

(स) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं पाँच के दो अलग-अलग अर्थ लिखिए : 5

- |          |           |             |           |
|----------|-----------|-------------|-----------|
| (i) अंबर | (ii) अर्थ | (iii) उत्तर | (iv) गुरु |
| (v) गति  | (vi) कर्म | (vii) हंस   |           |

### इकाई - 3 a2zSubjects.com

(अ) देवनागरी का नाम नागरी के रूप में कैसे प्रचारित हुआ ? देवनागरी के अन्य क्या-क्या नाम हैं ? अथवा

देवनागरी की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 8

(ब) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं सात के मानक रूप लिखिए : 7

- मुझ पर दो रुपये हैं।
- गांधीजी ने एक महिलाओं की सभा में कहा था।
- क्या तुमने वास्तविकता में ऐसा करा।
- बेचारा असमय में मर गया।
- मैं आपकी श्रद्धा करता हूँ।
- यह असली गाय का दूध है।
- हमारी प्रदेश की सरकार ने बजट पेश किया।
- गुरुजनों से नम्रता के साथ बोलना।
- मैं उनको बीस बार समझाया हूँ।
- घोड़े ने घास खाया।

अथवा

निम्नलिखित संख्याओं के मानक हिन्दी रूप शब्दों में लिखिए (कोई सात) :

- |         |         |          |           |
|---------|---------|----------|-----------|
| (i) 31  | (ii) 43 | (iii) 39 | (iv) 67   |
| (v) 18  | (vi) 53 | (vii) 48 | (viii) 41 |
| (ix) 94 | (x) 11  |          |           |

### इकाई - 4

(अ) कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी की परिकल्पित धारणा क्या है ? अथवा

सूचना प्रौद्योगिकी के घटकों का वर्णन कीजिए। a2zSubjects.com 10

(ब) निम्नलिखित में से हिन्दी पाँच पदनामों के हिन्दी रूप लिखिए : 5

- |               |               |                                 |               |
|---------------|---------------|---------------------------------|---------------|
| (i) Authority | (ii) Advocate | (iii) Block Development Officer |               |
| (iv) Chairman | (v) Constable | (vi) Dy. Director               | (vii) Hostess |

### इकाई - 5

(अ) संक्षेपण में जिन बातों से बचना चाहिए उनका उल्लेख कीजिए। अथवा

संक्षेपण की 'सारांश', 'आशय', 'भावार्थ', 'मुख्यार्थ' से तुलना कीजिए। 5

(ब) निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देकर सारांश प्रस्तुत कीजिए : 10

वास्तव में हमारे अध्ययन की सामग्री प्रत्यक्ष मनुष्य है। साहित्य में इसी के आवेगों, उद्वेगों एवं उल्लासों का स्पन्दन देखा जाता है। राजनीति ने इसके लुका-छिपी के खेल का दर्शन किया है। अर्थशास्त्र में इसकी रीढ़ की शक्ति का अध्ययन किया है। यह मनुष्य ही वास्तविक लक्ष्य है आप जिससे सीधा संबंध जोड़ने जा रहे हैं। वह जो प्रत्यक्ष मनुष्य का पदना है वही बड़ी बात है। हमारी शिक्षा का अधिक भाग दृष्टान्तों का साक्ष्य होता है, वे हमारे सामने नहीं आते। हमारा इतिहास पढ़ना तब तक व्यर्थ है जब तक हम इसे जीवन मानव-प्रवाह के साथ एक करके न देख सकें। हमारे देश का इतिहास, यदि वह सचमुच ही हमारे देश का है आज भी निश्चय ही है। हमारे घरों में, गाँवों में, जातियों में, खण्डहरों में और इस देश के जर्रे-जर्रे में अपना चिन्ह छोड़ता जा रहा है। जब तक देश के प्रत्येक कर्णों से हमारा प्रत्यक्ष संबंध स्थापित नहीं होता तब तक हम इतिहास का वास्तविक ज्ञान कैसे पैदा कर सकते हैं। इनमें से जो कोई भी अपने को शिक्षित समझता हो, उसे अपनी उच्च अज्ञानिका से नीचे उतरकर अपने देश के इर्द-गिर्द कैसे इस विशाल जन-समूह, विस्तृत भूखण्ड और अपने सजीव विग्रम प्रवाह को ही प्रधान पाठ्य-पुस्तक बनाना होगा।